Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to include certain backward castes of Bihar in the list of Scheduled Tribes-laid.

श्री दिलेश्वर कामैत (सुपौल): बिहार राज्य में कतिपय जनजातियां अभी भी ऐसी हैं, अर्थात् अमात, बीन्द, बेलदार, धानुक, कहार, गंगौत, गोरही, केवट, क्योट ,कैवर्त , मल्लाह, नूनिया तथा तुरहा, जिन्हें राज्य की अनुसूचित जनजातियों की सूची में अभी तक शामिल नहीं किया गया है । इन जनजातियों के लोग अभी भी सामाजिक, शैक्षणिक तथा आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हैं तथा दशकों के नियोजित विकास के पश्चात् भी दयनीय स्थिति में जीवनयापन कर रहे हैं । ये समुदाय संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश, 1950 में जनजाति के रूप में शामिल किए जाने के सभी मानदण्डों को पूरा करते हैं । इसके अलावा, वे काफी समय से ऐसे दर्जे की मांग भी कर रहे हैं । बिहार सरकार द्वारा इथनोग्रफिक अध्ययन रिपोर्ट के साथ केंद्र सरकार को अनुशंसा भी प्रेषित की जा चुकी है |

अतः मेरा अनुरोध है कि उपरोक्त समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्रदान करने का कष्ट करें |